

# ईयू के साथ एफटीए से खुलेंगे नये अवसर: सीतारमण

यह पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौता हमारे देश के लोगों के लिए अधिक अवसर पैदा करेगा

नई दिल्ली, 28 जनवरी. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को महत्वपूर्ण क्षण बताते हुए मंगलवार को कहा कि इससे भारतीय नागरिकों के लिए अधिक अवसर पैदा होंगे. सीतारमण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, वास्तव में यह एक मील का पत्थर है. यह पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौता हमारे देश के लोगों के लिए अधिक अवसर पैदा करेगा.

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन के लिए उनका धन्यवाद किया और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष



गोयल के नेतृत्व वाली वार्ता टीम के अथक परिश्रम की सराहना की. श्री मोदी ने यहां हैदराबाद हाउस में यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटीनियो कोस्ता और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ 16वें भारत-ईयू

शिखर सम्मेलन के बाद संयुक्त वक्तव्य में इस समझौते की जानकारी देते हुए कहा, आज भारत ने अपने इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा मुक्त व्यापार समझौता संपन्न किया है. आज 27 तारीख है और यह सुबह संयोग है कि आज

ही के दिन यूरोपीय संघ के 27 देशों के साथ भारत ये मुक्त व्यापार समझौता कर रहा है. यह सिर्फ व्यापार समझौता नहीं है. यह साझा समृद्धि का नया खाका है. सीतारमण ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि यह एफटीए बदलती वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और उभरती आर्थिक वास्तविकताओं के अनुरूप है तथा भारत को एक विश्वसनीय और दूरदर्शी आर्थिक साझेदार के रूप में स्थापित करता है. यह भारत को 27 देशों के साथ एकीकृत करता है, जिससे 20 लाख करोड़ डॉलर के बाजार तक पहुंच खुलती है और विश्व के सबसे परिष्कृत उपभोक्ता आधारों में से एक में असीमित विकास संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त होता है.

देश के उद्योग संगठनों ने भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मंगलवार को मुक्त व्यापार संधि (एफटीए) की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि इससे निर्यात ज्यादा प्रतिस्पर्धी होगा और विकसित भारत के निर्माण में मदद मिलेगी. भारतीय उद्योग परिषद (सीआईआई) के महादेशिक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि यह ऐतिहासिक समझौता देश की वैश्विक व्यापार भागीदारी में एक रणनीतिक सफलता का प्रतीक है और दो प्रमुख लोकतांत्रिक देशों और अर्थव्यवस्थाओं के बीच साझेदारी की ओर मजबूत बनाता है. दोनों मिलकर वैश्विक जीडीपी का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा हैं.

# सोना-चांदी रिकॉर्ड ऊंचाई पर

चांदी में 6 प्रतिशत से ज्यादा आया उछाल

नई दिल्ली, 28 जनवरी. बुधवार को सोने और चांदी की कीमतें मजबूत खरीदारी की मांग, कमजोर डॉलर और बढ़ते जियोपॉलिटिकल तनाव के बीच रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं, जिससे सेफ हेवन की मांग बढ़ गई. एमसीएक्स पर सोना और चांदी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए.



बुधवार सुबह कारोबार के दौरान, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज और अंतरराष्ट्रीय बाजार. कौन-निवेशकों को मजबूत खरीदारी, सेंट्रल बैंकों और ईटीएफ प्रवाह का असर. क्यौं-कमजोर डॉलर और बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से सेफ-हेवन मांग बढ़ी. कैसे-वायदा कीमतों में तेज उछाल के जरिए, सुबह करीब 11.30 बजे एमसीएल सोने का

सेटल बैंक की खरीद और स्थिर ईटीएफ निवेश ने इस वर्ष सोने में लगभग 20 प्रतिशत तेजी को सहारा दिया है, जबकि चांदी में इससे भी तेज बढ़त देखी गई. विश्लेषकों का कहना है कि सोलर, ईवी, एआई/डेटा सेंटर और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर से औद्योगिक मांग के साथ महंगाई-हेज मुनाफावसूती के बावजूद समय रुझान सकारात्मक बना हुआ है. तकनीकी स्तर पर सोने को रु. 1,55,050-रु. 1,53,310 के दायरे में सपोर्ट और रु. 1,59,850-रु. 1,61,950 पर रेजिस्टेंस बनाया गया है. चांदी के लिए सपोर्ट 3,44,810 और 3,37,170, जबकि रेजिस्टेंस रु. 3,61,810 और रु. 3,65,470 पर है. अगला कदम- फेड की बैठक और डॉलर की चाल पर नजर रखनी, जो आगे की दिशा तय करेगी.

फरवरी वायदा 2.97 प्रतिशत चढ़कर 10 ग्राम के लिए 1,62,387 पर पहुंच गया. वहीं, एमसीएल चांदी का मार्च वायदा

6.21 प्रतिशत उछलकर 3,78,401 प्रति किलोग्राम हो गया. अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना 5,200 प्रति औंस के ऊपर गया.

## एसीसी सीमेंट को तीसरी तिमाही में 404 करोड़ रुपये का मुनाफा

परिचालन से प्राप्त राजस्व 6,483 करोड़ और परिचालन लागत 700 करोड़ रुपये

तिमाही के दौरान सीमेंट की बिक्री बढ़कर 113 लाख टन पर पहुंची

नई दिल्ली, 28 जनवरी. अडानी समूह की कंपनी एसीसी सीमेंट को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) में 404 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है.

कंपनी ने बुधवार को जारी वित्तीय परिणामों में बताया कि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 637 करोड़ रुपये के सरकारी अनुदान और आयकर पर 530 करोड़ रुपये के ब्याज

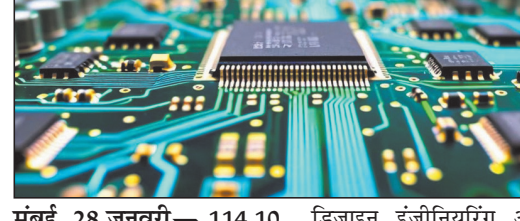
को छोड़ दें, तो एक साल पहले सामान्य स्थिति आने के बाद उसे 85 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जबकि बीती तिमाही में सामान्य स्थिति आने के बाद शुद्ध लाभ 380 करोड़ रुपये रहा. इस प्रकार, शुद्ध मुनाफा 346 प्रतिशत बढ़ा है.

कंपनी ने बताया कि तिमाही के दौरान उसका परिचालन से प्राप्त राजस्व 6,483 करोड़ रुपये और परिचालन लागत 700 करोड़ रुपये रहा जो अपन-आप में रिकॉर्ड है. प्रति टन परिचालन लागत 619 रुपये रहा. तिमाही के दौरान सीमेंट की बिक्री बढ़कर 113 लाख टन पर पहुंच गयी. तिमाही के दौरान कंपनी का नेटवर्क 389 करोड़ रुपये बढ़कर

## ऐतिहासिक निचले स्तर से उबरा रुपया, 22 पैसे मजबूत

मुंबई, 28 जनवरी. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर की तुलना में 22 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 91.68 रुपये का बोला गया. भारतीय मुद्रा पिछले कारोबारी दिवस पर 32.50 पैसे टूटकर 91.9050 रुपये प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद हुई थी. आज रुपये में शुरू से ही तेजी रही. यह 8.50 पैसे की बढ़त में 91.82 रुपये प्रति डॉलर पर खुला. बीच कारोबार में यह ऊपर 91.63 रुपये और नीचे 91.90 रुपये प्रति डॉलर तक गया. अंत में 22 पैसे की मजबूती के साथ बंद हुआ. यूरोपीय संघ के साथ भारत के मुक्त व्यापार समझौते की घोषणा से रुपया मजबूत हुआ है.

## 114 करोड़ ऑर्डर से एमआईसी में अपर सर्किट



मुंबई, 28 जनवरी— 114.10 करोड़ का ऑर्डर मिलने के बाद एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर में 10 प्रतिशत का अपर सर्किट लगा. बीएसई पर शेयर 38.94 तक पहुंचा. स्मॉलकैप कंपनी एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स. बुधवार के कारोबारी सत्र में. नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण से इंफा वर्क का बड़ा ऑर्डर मिलने के कारण. कंपनी को सेंक्टर 22 स्थित कॉमन फैसिलिटी सेंटर में डिजाइन, इंजीनियरिंग, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण, कमीशनिंग, एमएससी व मटेनेंस का कार्य सौंपा गया है, जिसे 10 महीनों में पूरा करना है. कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी सूचना में बताया कि यह ऑर्डर निविदा प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त हुआ है. ऑर्डर की खबर आते ही निवेशकों की रुचि बढ़ी और शेयर ऊपरी सर्किट पर लॉक हो गया. हालांकि, हालिया प्रदर्शन पर नजर डालें तो पिछले एक महीने में शेयर 13 प्रतिशत से

अटल नगर विकास प्राधिकरण से इंफा वर्क का बड़ा ऑर्डर

डिजाइन, इंजीनियरिंग, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण, कमीशनिंग, एमएससी व मटेनेंस का कार्य सौंपा गया है, जिसे 10 महीनों में पूरा करना है. कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी सूचना में बताया कि यह ऑर्डर निविदा प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त हुआ है. ऑर्डर की खबर आते ही निवेशकों की रुचि बढ़ी और शेयर ऊपरी सर्किट पर लॉक हो गया. हालांकि, हालिया प्रदर्शन पर नजर डालें तो पिछले एक महीने में शेयर 13 प्रतिशत से



## शेयर बाजारों में दूसरे दिन भी तेजी

बीएसई का सेंसेक्स 487 अंक उछला

मुंबई, 28 जनवरी. घरेलू शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन तेजी रही और बीएसई का सेंसेक्स 487.20 अंक चढ़कर 82,344.68 अंक पर पहुंच गया. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 167.35 अंक यानी 0.66 फीसदी की बढ़त में 25,342.75 अंक पर बंद हुआ. मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा तेजी रही. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.65 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 2.26 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ. तेल एवं गैस, धातु, रसायन, बेंकिंग, वित्तीय सेवाओं, रियल्टी, मीडिया, ऑटो और आईटी सेक्टरों के सूचकांक बढ़त में रहे. एफएमसीजी, फार्मा और स्वास्थ्य समूहों के सूचकांक फिसल गये. सेंसेक्स की कंपनियों में बीईएल का शेयर नौ फीसदी के करीब मजबूत हुआ. इंटरनल में पांच प्रतिशत से अधिक और बजाज फाइनेंस तथा पावरग्रिड में दो प्रतिशत से ज्यादा की तेजी रही. ट्रेड, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, टीसीएस, अडानी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज और बजाज फिनसर्व के शेयर एक से दो प्रतिशत के बीच चढ़े.

## मारुति सुजुकी का मुनाफा 3.68 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, 28 जनवरी. देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में एकल आधार पर 3,794 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ जो सालाना आधार पर 3.68 प्रतिशत बढ़ा है.

कंपनी ने बुधवार को निदेशक मंडल की बैठक के बाद वित्तीय परिणामों की घोषणा की. उसने बताया कि तिमाही के दौरान उसका कुल राजस्व 50,945.8 करोड़ रुपये रहा. यह पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 39,819.5 करोड़ रुपये

के मुकाबले 27.94 प्रतिशत अधिक है. कंपनी ने बताया कि कच्चे माल पर लागत में तेज बढ़ोतरी से राजस्व की तुलना में उसके कुल व्यय में ज्यादा इजाफा हुआ है. इसलिए, शुद्ध लाभ में मामूली वृद्धि दर्ज की गयी. मारुति सुजुकी को प्रेस विज्ञापन में कहा गया है कि वस्तु एवं सेवा कर में पिछले साल सितंबर में किये गये सुधारों के कारण उसने तिमाही बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया. उसके यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री एक साल पहले की 4,66,993

इकाई से बढ़कर 5,64,669 इकाई पर पहुंच गयी. कुल 97,676 इकाई की वृद्धि में 68,328 इकाई छोटी कारों हैं जिन पर जीएसटी घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है. साथ ही, तिमाही के दौरान कंपनी का निर्यात भी 1,03,100 इकाई पर रहा.

## सिगरेट की बिक्री में कर बढ़ने से गिरावट संभव: क्रिसिल

नई दिल्ली, 28 जनवरी. सिगरेट पर 01 फरवरी से बढ़े कर, शुल्क एवं अधिभारों के कारण अगले वित्त वर्ष में इसकी बिक्री में छह से आठ प्रतिशत की गिरावट की आशंका है. साखु निर्धारक एवं बाजार अध्ययन एजेंसी क्रिसिल ने बुधवार को जोर एफ रिपोर्ट में यह बात कही है. रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्तमान में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत सिगरेट पर 28 प्रतिशत कर है. साथ ही कई तरह से अधिभार भी लगाये जाते हैं. आगामी 01 फरवरी से क्षतिपूर्ति अधिभार समाप्त हो जायेगा.

## तिरंगा फहराकर संविधान के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली, 28 जनवरी. एनबीसीसी ने नई दिल्ली के बल्ट डेड सेंटर में 77वां गणतंत्र दिवस पूरे उसाह के साथ मनाया. इस आयोजन का शुभारंभ श्री के. पी. महादेवस्वामी, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनबीसीसी द्वारा राष्ट्रीय तिरंगे को फहराने के साथ किया गया. इस अवसर पर श्री अंजीव कुमार जैन, निदेशक (वि), वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारीमण उपस्थित रहे. इस अवसर पर राष्ट्रीय गान गाया गया. सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनबीसीसी ने स्वतंत्रता को प्राप्त करने हेतु किए गए बलिदानों को याद किया तथा विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए समर्पण और निष्ठा के साथ निरंतर कार्य करने पर बल दिया. उन्होंने परियोजनाओं को समय पर पूरा करने और गुणवत्ता एवं सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के महत्व पर भी जोर दिया. उन्होंने 77 वें गणतंत्र दिवस के इस अवसर पर भारत के संविधान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की भी पुनः पुष्टि की. अपने संबोधन का समापन उन्होंने तीन जोशपूर्ण नारों जय हिंद!, भारत माता की जय! तथा वंदे मातरम के साथ किया.

## समाचार विशेष

### राहुल से नाराजगी या नई खिचड़ी? मीटिंग छोड़ने के बाद मोदी-संघ की तारीफ

कोझिकोड . कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और सांसद शशि थरूर ने एक बार फिर ऐसा बयान दिया है जो सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है. अपनी ही पार्टी नेतृत्व से नाराजगी की खबरों के बीच थरूर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस को लेकर बड़ी बात कही है. उन्होंने कहा कि पीएम मोदी संविधान को पवित्र मानते हैं और समय के साथ आरएसएस ने भी इसे अपना लिया है.

इसकी अलग वजह बताई है. मोदी ने संविधान को माना 'पवित्र किताब' शशि थरूर ने 2014 के दौर को याद करते हुए कहा कि जब बीजेपी सत्ता में आई थी, तब ऐसी चर्चाएं आम थीं कि वे संविधान को खत्म कर देंगे और एक नया संविधान लागू करें. खबरें तो यहां तक थीं कि आरएसएस के विचारक गोविंदाचार्य एक नए संविधान का ड्राफ्ट तैयार कर रहे हैं. इन सबके बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र में अपने पहले भाषण में साफ घोषणा की कि संविधान ही उनकी एकमात्र पवित्र किताब है. थरूर ने जोर देकर कहा कि पीएम मोदी का संदेश साफ था कि वह संविधान को पवित्र मानते हैं. इसका नतीजा यह हुआ कि आरएसएस जैसे संगठन, जिनके वैचारिक पूर्वजों ने कभी इसे साफ तौर पर नकार दिया था, उन्होंने भी अब इसे अपना लिया है.

## एनएसयूआई की राजनीति में अपनों ने ही घेरा! क्या अध्यक्ष विनोद जाखड़ की अध्यक्षी जाएगी?

जयपुर. राजस्थान की राजनीति में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ को उनके ही संगठन ने कटघरे में खड़ा कर दिया. अनुशासन का डंडा चलाते हुए संगठन ने जाखड़ को कारण बताओ नोटिस थमाया है, जिसमें साफ शब्दों में लिखा है कि जवाब दो, वरना छुट्टी के लिए तैयार रहे.

इस विवाद को शुरुआत 22 जनवरी से हुई जब विनोद जाखड़ ने संगठन में कुछ नियुक्तियां कर दीं. नोटिस जारी करने वाले एनएसयूआई के राजस्थान प्रभारी

देनी होगी, वरना उनकी अध्यक्ष की कुर्सी छिन सकती है. अरुंदनी खींचतान आई बाहर- देव मामला केवल एक नोटिस तक सीमित नहीं है. सूत्रों की मानें तो एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष और विनोद जाखड़ के बीच लंबे समय से कोल्ड वॉर चल रहा है. जाखड़ को संगठन के एक अन्य दिग्गज राष्ट्रीय नेता का करीबी माना जाता है, जो वर्तमान नेतृत्व को रास नहीं आ रहा. लंबे समय से उन्हें नियुक्तियों की अनुमति नहीं मिल रही थी, और जैसे ही उन्होंने कदम उठाया, उसी दिन नोटिस थमाकर चेक-मेट कर दिया गया.

## कांग्रेस के लिए बड़ी मुश्किलें?

राजस्थान यूथ कांग्रेस की कार्यकारिणी भंग होने के बाद अब एनएसयूआई का यह कलह कांग्रेस के लिए सिरदर्द बन चुका है. छात्र राजनीति के गलियारों में चर्चा है कि क्या जाखड़ सेंटर चढ़ेंगे या यह बगावत किसी नए सियासी मोड़ की ओर ले जाएगी? फिलहाल, जाखड़ आमोश हैं, लेकिन यह आमोशी किसी बड़े तुफान का संकेत हो सकती है.

## बिहार विधानसभा चुनाव का साइड इफेक्ट

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव में आरजेडी की करारी हार के लिए पार्टी नेता नेतृत्व पर सवाल उठाने लगे हैं. आरजेडी के वरिष्ठ नेता और विधायक भाई वीरेंद्र ने हार का ठिकारा नेतृत्व पर फोड़ दिया है. उन्होंने दो टुक शब्दों में कहा है कि भीतरघाट के कारण पार्टी को इतना बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है और ऐसे लोगों को आरजेडी से बाहर जाना होगा.

चेहरों को टिकट दे दिया गया. उन्होंने कहा कि यह सिर्फ विजय मंडल का सवाल नहीं है. तीन जिला एक व्यक्ति के अंडर में था, जिसने तीनों जिला को बेच दिया. यह जांच का विषय है कि कैमूर, रोहतास और बक्सर जिला की जिम्मेवारी किन लोगों को दी गई थी. बक्सर जिला से एक मात्र सीट आई.

आरजेडी विधायक ने कहा कि हम जब भी कोई बात बोलते हैं तो सोच समझकर बोलते हैं और अपनी बात में अडिग रहता हैं. मैं कोई बगावत नहीं कर रहा हूँ बल्कि सच्चाई को बयां किया है.

## निकाले जा रहे बयान के सियासी मायने

शशि थरूर के इस बयान के सियासी मायने इसलिए भी निकाले जा रहे हैं क्योंकि शुरुवार को केरल विधानसभा चुनाव की रणनीति को लेकर कांग्रेस हाईकमान की अहम बैठक हुई. लेकिन थरूर उसमें शामिल नहीं हुए. इस गैरमौजूदगी ने कांग्रेस नेतृत्व के साथ उनके मतभेद की खबरों को हवा दे दी है. हालांकि, थरूर के कार्यालय ने सफाई दी है कि कोझिकोड में साहित्य महोत्सव में पहले से तय कार्यक्रम के कारण वे बैठक में शामिल होने में असमर्थ थे और इसकी जानकारी पार्टी को दे दी गई थी. वहीं, दूसरी तरफ सूत्रों का दावा है कि थरूर की नाराजगी की वजह कुछ और है. बताया जा रहा है कि हाल ही में कोच्चि में एक कार्यक्रम के दौरान मंच पर मौजूद होने के बावजूद राहुल गांधी ने अपने भाषण में थरूर के नाम का उल्लेख नहीं किया. इस बात से वे काफी आहत हैं.

आने वाले समय में असम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव होने हैं. लेकिन नितिन नबीन का इन तीनों ही राज्यों से तात्कालिक नहीं है. इसके साथ ही नितिन नबीन कायस्थ परिवार से आते हैं. यानी वह स्वर्ण कटेगरी से हैं, जो कि पहले से ही बीजेपी का कोर वोटर माना जाता है. ऐसे में अन्य कटेगरीज को लुभाने वाला चेहरा अह्य था पर ऐसा नहीं किया गया. लेकिन अब सियासी फिआओं से उनके अध्यक्ष बनाने के पीछे का मकसद सुगबुगाहट बनकर बाहर आने लगा है.

## विशेष 2029 से पहले होगा खेल, योगी-शाह में किसकी राह मुश्किल करेंगे नबीन?

### नरेंद्र मोदी के बाद कौन बनेगा प्रधानमंत्री?

नई दिल्ली. नितिन नबीन को जब से भारतीय जनता पार्टी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया तब से हर कोई यह डिक्को करने में लगा हुआ है कि आखिर 10 करोड़ कार्यकर्ताओं वाली पार्टी में नितिन नबीन को ही क्यों कमाना दी गई.

आने वाले समय में असम, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनाव होने हैं. लेकिन नितिन नबीन का इन तीनों ही राज्यों से तात्कालिक नहीं है. इसके साथ ही नितिन नबीन कायस्थ परिवार से आते हैं. यानी वह स्वर्ण कटेगरी से हैं, जो कि पहले से ही बीजेपी का कोर वोटर माना जाता है. ऐसे में अन्य कटेगरीज को लुभाने वाला चेहरा अह्य था पर ऐसा नहीं किया गया. लेकिन अब सियासी फिआओं से उनके अध्यक्ष बनाने के पीछे का मकसद सुगबुगाहट बनकर बाहर आने लगा है.

नितिन नबीन को अध्यक्ष बनाए जाने के पीछे की एक दिलचस्प कहानी बताई है. उन्होंने एक ब्लाग में लिखा कि असल में नबीन उस शतरंज का छोटा सा प्यादा हैं, जिसकी बिसात पर 2029 लोकसभा चुनाव के पहले बड़ा सियासी खेल खेला जाने वाला है. उन्होंने आगे लिखा कि उस खेल की गोटियां अभी से सेट की जा रही हैं. उन्होंने इस खेल का नाम 'मोदी के बाद कौन बनेगा पीएम?' बताया है. जिसके पहले खिलाड़ी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह होंगे तो दूसरी उतर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ.

हो सकता है कि कोई डार्क हॉर्स बनकर भी आ जाए, लेकिन ऐसा शायद ही होगा. मोदी के उत्तराधिकारी होंगे अमित शाह! विश्व दीपक लिखते हैं कि पहले तो ऐसा नहीं लगता था पर इधर बीच अमित शाह की बाँड़ी लेंगेच, मीडिया-जनता के साथ उनका संवाद आदि देखकर पता चलता है कि वो अपने आप को मोदी के उत्तराधिकारी के तौर पर पेश कर रहे हैं. मोदी की बिसात पर मेरा दावा है- ऐसा अमित शाह की भाव भंगिमाओं से स्पष्ट

दूसरी तरफ सीएम योगी आदित्यनाथ स्वयं को भाजपा और संघ की हिंदुत्व वाली विरासत का असली दावेदार मानते हैं. इस मामले में उनको कोई चुनौती भी नहीं दे सकता है. इस परिप्रेक्ष्य में देखा जाय तो बीजेपी का अगला अंत-संघर्ष मोदी की विरासत बनाम हिंदुत्व की विरासत के बीच होगा. विश्व दीपक ने आगे लिखा कि जनाधार हीन और 12वीं पास विधायक नितिन नबीन की भूमिका इस संघर्ष में हालांकि बहुत छोटी है, लेकिन मोका पड़ने पर अहम हो जाएगी. क्योंकि राजनीति में कई बार नगण्य होना अहम हो जाता है. नबीन जीरो थे इसी वजह से उन्हें हीरो बना दिया गया. उनके नाम का सहस्रमति पिछले महीने अडमान में हुई भागवत और शाह की मीटिंग के दौरान बनी.

## हिंदुत्ववादी विरासत के दावेदार योगी!